

युगलविलास

श्रीमन्महाराजाधिराज छत्रसिंह सुत
श्रीरामसिंहजी देवकृत

जिसमें

भक्तभयहारी कुञ्जविहारी श्रीराधाकृष्ण
की लीला अतिसरल छन्दोंमें वर्णितहै

चौथीवार

लखनऊ

मुंशी नवलकिशोर (सी,आई,ई) के छापेखाने में छपा
सन् १९०५ ई० ॥



युगलविलास ॥

कवित्त ।

रागगौरी ।

सोहतमुकुटशीशकुण्डलश्रवणसोहैं मुरली अधरध्वनिमोहै त्रिभुवन को । लोचनरसाल बङ्कभृकुटी विशाल सोहै सोहैबनमालगरे हरेलेतमनको । रूप मनमोहन न चितते बिसारौं वारौं सुन्दर बदनपर कोटिन मदनको । जगतनिवासकीजै सुमतिप्रकाशमेरे उरमेंहुलासहै बिलास बर्णनको १ ॥

रागकान्हरो ।

नागरनवेली अलबेलीबृषभानजूकी संगसखियानि लियेडोलहीलतानि में । निकसे तहांह्वै आनि जबैमनमोहनजू परमप्रबीनवशकीवकीकलानिमें । मुरलीबजैकै चलेगयेनेहबीजबैकै हितैकैचितैकैचितैमोहमुसक्यानि में । निरखेछबीलीब्रजछैलकीछबीलीछबि ह्वैगईछकीसी छबिछाईअँखियानिमें २ ॥

सखीकोबचननायिकासोंआठोंसात्विकभाव ।

रागईमन ।

चल्योनाहिंजातअङ्गभीजेजातस्वेदमांझ पुलकित

गातजातसमुभैनबातहै । शीतबिनाएरीतेरोतनथहरातसब आननकोरङ्गकछूआनभयोजातहै । आंसूचलेजातध्यानलीनसीदिखातिहैरी तेरीदशादेखेमेरोहियहहरातहै । नेकहीनिहारेमनमोहनकोरूपआली तेरेरोमरोममें सनेहदर्शातहै ३ ॥

नायिकाकोबचनसखीसों ।

रागसोहनों ।

तोसोंमैंदुराईनाहिंकबहूंहियेकीबात अबहूंदुराऊंकैसेसांचीकरिमानिये । नेकहीचितैकैमेरेचित्तकोचुरायगयोरूपकीनिकाईवाकीकहांलौंबखानिये । देखेमनमोहनकोमेरीजोदशाहैसो मैं कहांलौंकहूंतेलईसबपहिंचानिये । लगननईकीभई आनिअकुलानि आली गईकुलकानि वाकेमनकी न जानिये ४ ॥

सखीकोबचननायिकासों ।

रागसोहनों ।

तेरोहैसलोनोरूपउनकोलगोहैमन क्योंनलग्योहैहेहेलीतोतननिहारिकै । दोऊवोरहोतिएकवोरकबहूंनहोतिप्रीतिरीतियहजानिराखीनिरधारिकै । जिनअकुलावैधीरधरैयहियेरीपीर चितकीसकलचिन्तादेरीतूविसारिकै । जायकैअबेलेमनमोहनहियेकीबात आयकै कहौंगी तोसोंसबैबिस्तारिकै ५ ॥

सखीकोबचननायिकासों ।

रागसोरठ ।

सखीजायकहीमनमोहनसोंकहौकान्ह ऐसीनिठुराई तुम्हैंकौनेयेसिखादई । नेकहीचितैकेवाकेचितकोचुराय

गातजातसमुझैनबातहै । शीतबिनाएरीतेरोतनथहरातसब आननकोरङ्गकछूआनभयोजातहै । आंसूचलेजातध्यानलीनसीदिखातिहैरी तेरीदशादेखेमेरोहियहहरातहै । नेकहीनिहारैमनमोहनकोरूपआली तेरेरोमरोम में सनेहदर्शातहै ३ ॥

नायिकाकोबचनसखीसों ।

रागसोहनों ।

तोसोंमैंदुराईनाहिंकबहूंहियेकीबात अबहूंदुराऊंकैसेसांचीकरिमानिये । नेकहीचितैकैमेरेचित्तकोचुरायगयोरूपकीनिकाईवाकीकहांलौंबखानिये । देखेमनमोहनकोमेरीजोदशाहैसो मैंकहांलौंकहूंतेलईसबपहिंचानिये । लगननईकीभई आनिअकुलानि आली गईकुलकानिवाकेमनकी न जानिये ४ ॥

सखीकोबचननायिकासों ।

रागसोहनों ।

तेरोहैसलोनोरूपउनकोलगोहैमन क्योंनलग्योह्वैहै हेलीतोतननिहारिकै । दोऊवोरहोतिएकवोरकबहूंनहोतिप्रीतिरीतियहजानिराखीनिरधारिकै । जिनअकुलावैधीरधरैयहियेरीपीर चितकीसकलचिन्तादेरीतूबिसारिकै । जायकैअबैलेमनमोहनहियेकीबात आयकैकहौंगी तोसोंसबैबिस्तारिकै ५ ॥

सखीकोबचननायिकासों ।

रागसोरठ ।

सखीजायकहीमनमोहनसोंकहौकान्ह ऐसीनिठुराई तुम्हैंकौनेयेसिखादई । नेकुहीचितैकैवाकेचितकोचुराय

लायेहायनेकत्राकीतुमसुधिहूनहींलई । रहति सदाहीम-तवारीसीतिहारीसोंहजातननिहारीवाकीदुसहदशा भई । तजिकुलकानिदईदेहकीसम्हारगई तुमसोंबिहारीवाकी लगनिलगीनई ६ ॥

नायिकाकोबचनसखीसों ।

रागसोरठ ।

बालकोबिलोकिमनमोहनह्वैगयोहाल येरीमेरीवासों अतिलगनलगीरहै । वादिनतेवाहिसपनेनमैंनिहारैंस-दा तलफतनींदकहूंनेकजोपरति है । भोजननभावैकछु बातनसुहावैमोहिं कौनपीरपावैपरीमदनसतावतिहै । वाकीछबिचिततेबिसारीबिसरतिनाहिं निशिदिननयन-निकेनीरहींरहतिहै ७ ॥

सखीकोबचननायिकासों ।

रागभटपाल ।

सखीआयश्यामकेसमीपकहीमेरीआली काहकहौं बाततेरेपीतमकेहालकी । गेहकीसम्हारहैनदेहकीस म्हार पीतपटकीसम्हारनसम्हारबनमालकी । तेरेध्यान हीमेंमनमोहनरहेहैंसदामनबसीछबितेरेमदनरसालकी । प्रेममईमगनभईहै हियेआई नईनिपटलगनितोसोंलगी हैरीलालकी ८ ॥

नायिकाकोबचनसखीसों ।

रागबागरीकान्हरो ।

येरीतेरोमुखपरवारीवारीजाऊंआली श्यामकेसनेह कीकहतिंसरसाईहै । कहांलौंबडाईकरौंतेरीमनमोहनसों

अथ प्रथममिलापवर्णन। नायिकाकोबचनसखीसों।

रागगौड़मल्लार।

कबित्त।

झूमिरहेतरुफूलिरहेजहाँ शोरसुहावनोंमोरमचायो। आवतहैंयमुनाजलगाहत शीतलधीरसमीरसुहायो। देखतहीउरआनँदहोति रहैऋतुराजछहौंऋतुछायो। राधाकह्योमनमोहनमोहिंभलैंसखितैंइहिठौरमिलायो १३॥

सखीकोबचनसखीसों॥

रागकान्हरो।

देखतदोऊहियेहुलसे अतिदोऊबियोगबिथाबिसरेहैं। दोऊरहेरसरीतिनिहारिकै दोऊरहे पगिप्रेमखरेहैं। मोहनीऔमनमोहनजू मनकेसबहीअभिलाषै करेहैं। चोपभरेचतुराईभरे अरुचाहभरेहैं उमाहभरे हैं १४॥

अथ नायिकाकोबचननायिकासों।

रागजंगलो।

प्रेममेंपागिकह्योमनमोहन आजकीरातिमहारँगभीनी। लालसालागीरहैईसदा मनसासबहीविधि पूरणकीनी। देखतहौंसपनैनमेंजोछबि सोछबि नयननसों लिखिलीनी। दीन्हीमोहिंमिलायदई मनुआठहुँसिद्धिनवौनिधिदीनी १५॥

नायिकाकोबचननायिकासों॥

रागजंगलो।

चैननहींदिनरैनिपरयो जबतेतुमनैननिनेकनिहारे। काजबिसारिदियेघरके ब्रजराजमेंलाजसमाजबिसारे। मोबिनतीमनमोहनमानियो मोसोंकहूंमतिहूजियोन्यारे।

मोहिंसदाचितसों अतिचाहियो नीकेकैनेह निबाहियो प्यारे १६॥

नायिकाकोबचननायिकासों।

रागहंसकिंकिणी।

जादिनतेंनिरखेतुमहौमनमेरोलग्योतुमहींमेंरहैहै। है जुवहींमनमोहनह्वैकरिचाहतताहिहीनित्यचहैहै। नयन वहीजुनिहारेंवही मुखबैनकहैंरसनाजुवहैहै। नेहकहांल- गिकैजुछुटै वहनेहवहीजुसदानिबहैहै १७॥

नायिकाकोबचननायिकासों।

रागसोरठ।

मोहिगईतुमपैमनमोहन मेरीहिये न रही अबमेरी। लाजकरीकीरुकीनहिये अरुनाहिंघिरीपटघूंघटघेरी। बोलअमोलनिमोललई अबजायलगी ललचायघनेरी। फेरीफिरै न भईअँखियांअबसांवरेरावरेरूपकीचेरी १८॥

रागहमीर।

डोलतकुंजकीशोभा निहारत दोऊकियेहितसों गल- बाहीं। राधिकाऔमनमोहनकी छबिकीसमहै रति काम कीनाहीं। हासबिलासकरैं बहुभाँतिन दम्पति मोदभरैं मनमाहीं। बातैंकरैंरसघातैंकरैं पगिप्रेममेंकेलिकरैं चित चाहीं १९॥

सखीकोबचनसखीसों।

रागजैत।

भांतिभलीद्रुमिबैठिप्रिया मनमोहनप्रेमभरेबतराव- त। दम्पतिआपसमें रसमें पगिपानखवावै सुगन्धलगा- वत। सुन्दरअंगनिकीछबिदेखत छाकिरहेनहिंनेकअघा-

वत। नागररूपउजागरआगर आनँदसागरपार न पावत २०॥

सखीकोबचनसखीसों।

रागजंगलो।

रसकीबतियांकरिकैहँसिकै हितसोंतियहाथपियाप- करैं। जबनाहिंजुनाहिंनवेलीकहै बहुतैंहठतैंहरिअंकभरैं। ब्रजछैलछबीलेप्रबीनमनोज कलानिरतैंचितचोपधरैं। मनमोहनजूअतिप्रेमपगेरतिरीतिकरैंबिपरीतिकरैं २१॥

सखीकोबचनसखीसों।

रागकान्हरो।

अतिमोहितह्वैसुखमेंसगरी तनकीमनकीसुरत्यौंबि- सरी। मुखज्योतिगईपियरीपरिकै रतिअंतमेंहोयअचेत परी। श्रमबिन्दुनिवारणकीरणलै बिजनाकरकान्हबयार करी। फिरचेतपियामनमोहनओर निहारिरहीतियलाज भरी २२॥

नायिकाकोवचननायकसों।

रागसोरठ।

मेरीसदासुधिराखियोमोहन मोहिंकहूंचिततैंबिसरौ जिनि। नाहिंनमोहिंकहूंपरिहैकलरावरेसुन्दरगातलखे बिनि। लाजदईसगरेब्रजकीतजि कैसेहूंकोऊचवांय करौंकिनि। मोहिंतिहारेअधीनकरी मनमोहनजूअतिही इनलोचनि २३॥

नायककोबचननायिकासों।

रागसोरठ।

मेरेहुनयननिनेमुलियो यह तेरेनिहारेबिनान रहौंगो।

कोऊकछूकहियोहँसियोकिन मैंतौसनेहसदानिबहौंगो ।
तोसोंलग्योमनमोहनहोयकेकाहूसोंयेबातियां न कहौंगो ।
फेरिकहूंबनिहैमिलबोतबमोदमहाउरमांहिंलहौंगो २४ ॥

सखीकोबचननायिकासों ।

रागजैजैवन्ती ।

कीनीप्रबीनसखीबिनती करजोरिचितैकैदुहूँनकीओरी । मन्दिरकोचलियेगुणमन्दिर रातिरहीअबतौंबहुथोरी । लोगचवायहैंभोरभयो घरबाहरजाहरहोयगीचोरी । कीजैबिहारमिलीरहियो नितनीकेप्रियामनमोहनजोरी २५ ॥

नायिकाकोबचनसखीसों ।

रागखम्मायच ।

बैनसुनेसजनीकेमहादुख दैननिश्रवणनिमांभसुहाये । दोऊचलेअनचाहगहे नितआँखिनसोंअँसुवाबरषाये । आगेचलेडगद्वैकलखै फिरिफेरिचलैउरशोचनिछाये । प्यारीपियामनमोहनजी अपनेअपनेघरकोतबआये २६ ॥

सखीकोबचननायिकासों ।

रागभैरव ।

चालचलैअलसानीकछू अरुबोलततूअलसानीसीबानी । आननकोरँगआनभयोअतिलाजभरीअँखियांअलसानी । औरहीभांतिभयेपटभूषण दीखतदेहसबैशिथिलानी । जानिलईहमतोसजनी मनमोहनसोहनसोंरतिमानी २७ ॥

सखीकोबचनसखीसों ।

रागबिभास ।

बैन सखीजनके सुनिं श्रवणानि जायगई चढ़ि बेगि अटारी । छायरही मनमोहनकीछबि बामहिंये बिसरै न बिसारी । आयसकैनहिंकोईसमीपमेंयाकेलियेयंहबात बिचारी । सोयरहीतबबामलगायकै पैरनिकीखिरकी किकिवारी २८ ॥

सखीकोबचनसखीसों ।

रागरामकली ।

भामिनिकोनहिंभोजनकी सुधि बावरीसीभई भौनमें डोलै । मीतकिप्रीतिमेंमातीरहै नितकामिनिनीकैंनुकाहू सोंबोलै । बातैंपियामनमोहनके हितकीचिततैंनाहिंकैसे हुखोलै । नन्दकुमारकेसुंदररूपसोंबालबिकायगईबिन मोलै २९ ॥

सखीनायिका नायकसे ब्यथाबाक्य कहै है ।

रागगूजरी ।

उहिकुंजतेआयेललाजबतेबनजाथँनगाय चरावनको । मनमोहननित्यबरायरहैं तबआवतग्वालबुलावनको । क हुँनाहिंसुहावतकामलग्यो उरमांझब्यथासरसावनको । चितबीचसदाकरतेईरहैंतियकेमिलिबेकेउपावनको ३०॥

सखीकोबचनसखीसों ।

रागसारंग ।

बरनसुहायबिनादेखैंरह्योजायनहिं स्यामसीकेमहल तैंआयकरिगायेहैं । सुनतबबीलीचढ़िझमकिअटारीप रजायकेंझरोंखाबीचलोचनलगायेहैं । राधामनमोहन

निहारिकैंपरसपररीझिरीझिरसभीजिहियौहुलसायेहैं । तनसोंमिल्योनंजायदोऊअकुलायतब दीठिकीबरतबांधिमनहींमिलायेहैं ३१ ॥

सखीकोबचनसखीसों।

रागसारंग।

याबिधिहोतिरहैअवलोकनभांतिअनेकनियेनअघावैं। देखिबेहीकीलागीरहैलालसा देखैनहींतबहींअकुलावैं। बातनिघातमिलागेरहैं मिलिबेकोकहूंसमयोनहिंपावैं। मोहनीऔमनमोहनजू निशिऐसेहिबासररैनिगँवावै ३२ ॥ सखीकोबचननायिकासों।

रागपूर्बी।

मनमोहननेमिलिबोठहरावन श्यामाकेपाससखापठयो। नवनागरिरूपउजागरिकेढिग आतुरजायसँदेशदयो। वहिकुंजमेंआनिमिलौंफिरिहूं जियकुंजमेंआनिमिलापभयो। रसकीबरषाबरषावनको मनभामिनिकोघनलौंउमयो ३३ ॥

नायिकाकोबचनकृष्णकेसखासों।

रागपूर्बी।

नागरिबोलीतबैहँसिकै मिलिहौंचलिहौंनिशिमैंनडरौंगी। केलिअनेककलाकरिकैं मनमोहनकोमनभायोकरौंगी। कुंजकेभौनमेंआनँदसों भरिकन्तकोअङ्कनिशङ्कभरौंगी। आजमनोजकीफौजनिको करिमौजनिऔजनिसों निदरौंगी ३४ ॥

सखीकोबचनसखीसों।

रागईमन।

भूषणनीलमकेपहिरेअरुअम्बरश्यामानेश्यामहीधारे। श्यामहीटीकीलसैलटकाजरदैकरनयनसँवारअन्यारे। बालचलीकरतीमनमोहनकेमिलिबेकोमनोरथभारे॥ जायकैकुंजमेंशोचरहीजियदेखेनहींजबप्राणपियारे ३५

अथ द्वितीयमिलापबर्णन।

रागईमन।

जायसखानेकहीमिलिबौठहस्योचलिबौहरिहीनेबिचास्यो। मोदमहाभरिकैउमँग्यो मनमोहनवेषअनूपमधास्यो। खेलकोकामबिसारिचले हियसोंसबकामकोशोच बिसारयो। आनँदपुंजबढ्योहरिकेउर श्यामाकोकुंजमेंजायनिहास्यो ३६॥

नायिकाकोबांक्यनायकसों।

रागसोरठ।

खेलतसखानिमेंसोंआये आधीरातिप्यारेमेरेलियेऐसीभारीकारीअँधियारीमें। खेदबिंदुइंदुमुखऊपरबिराजिरहे लसैंलाललोयनएनींदकीखुमारीमें। लपटेहैंकेशमनमोहनसँवारोनेक येतीबारआवनसोंजानीअतिप्यारीमें। कहांलोंनिहारीजायमोपरबिहारीआजुबानिकतिहारीमतवारीपरवारीमें ३७॥

सखीकोबचनसखीसों।

रागखंभायच।

मंदमुसिकावानिसों भौंहनिकेभायनसींभावतनैंभामिनिकोमनलियोहरिके। परमप्रबीणमनमोहनअधीनक

री प्रेमभरीरसभरीबातैंबहुकरिकै । प्रकटनवीनीप्रीति कीनीहितभीनीरीति बिहँसि मयंकमुखी लीनीअंकभरि कै । मोदसोंबिनोदकरिरजनीबितायदोऊ आये निजमंदिरनिकुंजमेंबिहरिकै ३८ ॥

नायिकाकोवचनसखीसों।

रागबिलावल।

हाइनिकुंजह्वैआवतहीपट फाटिगयेलगिपौनभकोरैं। चोटकपोलनिआइकरी मनमोहनभौंरनिपंकजभोरैं। ओटनजानिकैबिंबकैरैं छतकीरनआइहौंभाजवजोरैं। पीरनजातिसहीयहवीरनि भूलिहूंजैहूंकहूंउहिओरैं ३९ ॥

सखीकोवचननायिकासों।

रागटोड़ी।

धनिहैसमीरजिहिसरसपरसकियो तेरोचीरपरमसुगंधरसभीनोरी । धनिमधुकरवहहैरीमनमोहनह्वैजिनि तेरेकमलकपोलछ्तकीनोरी । धनिवहकीरहैरीयेरीबीर जिनि तेरेनीकेअधरनकोमधुररसलीनोरी । धनिगनिहैरीहमजीवनको फलइननयननिसों तेरोरूपनिरख्योनवीनोरी ४० ॥ नायिकाकोवचनसखीसों।

रागसारंग।

मीतमनमोहनतेंजबतेंबहरिआई देहकीसम्हारसब दईबिसराइहै। प्रीतमप्रबीणहीकेध्यानमेंरहतलीन हीन जलमीनज्योंनदेखेअकुलाइहै । भामिनिकोमनवाबिलासहीमेंबासरह्यो वासमाहिंवाहिअबकैसेकैसुहायहै। नैननिमेंनीकेगुणभावतेकेछायरहे नागरिकेनैननिकुंजरहीछायहै ४१ ॥

सखीकोबाक्यसखीसे।

अथग्रीष्मऋतुकोबिहारतृतीयमिलापबर्णन।

रागसारंग।

शीतलसमीरजहाँगुंजरतभौंरद्रुम भूमिभूमिरहेभ रेफूलनके भारहैं। चहूंओरनहरकी लहरिउठातेअति चादरफुहारनसों परै जलधारहैं। ग्रीषमजानीपरैबरष। कीरुचिधरै तरणकरणकरैनेकनसँचारहैं। सघननिकुं जतीरयमुनाकेतहाँजाय राधामनमोहनजूकरते बिहार हैं ४२॥

सखीकोबचनसखीसों।

रागसारंग।

बिहरैंसंकेततेनिकेतनिजआयेतऊ दोउनके मनवही ठौरबिहरतहैं। जिततितप्रीतिरीतिएकसेनिहाररहे छके सेदृगनिनीरभरतदरतहैं। प्रेममेंमगनसुधितनकीतनकं नाहिं हितयुतबातैंपरछाहींसोकरतहैं। राधामनमोहन जूनेहसोंबिबशभये अंतरमेंध्यानहीनिरंतरधरतहैं ४३॥

सखीकोबचनसखीसों।

रागसारंग।

लालअकुलाय बिनबालकेबिलोके बोलिचलेगयेआ यकेसदनकेरेतीरसों। सुनिकेपियारींचढ़ितुरतअटारी माहिंदेखेमनमोहनकोलोचनअधीरसों। आंसूभरिआ येडीठिपरतसंकेत ठौर औरभांतिभईदही ग्रीषमसमीर सों। कुंजकेतरुनिफेरिहेरिहेरेकरिबेको सींचतिहैश्यामा मानोंनयननिकेनीरसों ४४॥

सखीकोबाक्यनायकसों। नायककोबचनसखीसों॥

रागमलार।

देखिदशातियकीसजनी पियकेढिगजायउराहनोदीनो। बोलसुनाइदिखाइदईनहिं ऐसोकठोरकहामनकीनो। योंमनमोहनबोलतबैहमंजानिहिबोलनहींसुनिलीनो। पावसकीऋतुआयगईमिलिहैंमिलिजैहैंसंकेतनवीनो ४५॥

औरहीसखीबचननायिकासों।

रागगौड़मलार।

नागरिकेढिग आयसखीजबश्यामकहीसुसबैकहिदीनी। चाहसुनीमनमोहनकी गजगामिनिभामिनिनेहरसभीनी। जायबिहारकियोबनमें मनदोउनकेनितप्रीतिनवीनी। दंपतिकीछबिकोलखिकै रंतिकामकिहोतिमहाछबिछीनी ४६॥

पावसऋतुकोबिहारचतुर्थमिलापबर्णन।

रागसोरठमलार।

होयरहीहरीहरी ब्रजकी सकलभूमि फूलनके भारझूमिरहीद्रुमडारीहैं। लहरैंकलिंदनंदनीकीनीकीलसैंनभउमड़िघुमड़िरहीघटापुरवारीहैं। प्यारीमनमोहनजूभूलतिहिंडोरेजहां सुरभिसमीरधीरचलैसुखकारी हैं। प्रेमबशभीजतफिरतफेरिबर्षामें बनमेंबिहारकरैं राधिकाबिहारीहैं ४७॥

सखीकोबाक्यसखीसों।

रागशुद्धमलार।

करिकै बिहारनिजमंदिरनआयेतहां फेरिह्वैबिहारक

रिबेकोउमहतहैं । राधामनमोहनजूभ्यानमेंरहतकहूं भरिबेकोउमहतहैं । देखेबिनदोउनको पलनकीनबातकछूकाहूसोंकहतहैं । आपसनपरतकल बिषमबियोगबंयथादुसहसहतहैं । आपसमें बातनिकोकरिबोचहतनित मिलिबेकेमनमेंमनोरथरहतहैं ४८॥

सखीकोबचनसखीसों।

रागकेदारो।

शरदकीरातिजहांमल्लिकाबिकासभयो शशिकेप्रकाशसरसाईशोभाबनकी । कोमलकिरनिअनुरंजितलताnनिद्रुम देखिकरिकान्हकरीमनसारमनकी । राधामनमोहनकोमुरलीबजाईतब मोहनअधरधरिमधुरसुरनकी । ताकीधुनिसुनिकैसम्हारनहीं नागरिको मनकीनतनकीनभूषणबसनकी ४९॥

नायिकाकोबचनसखीसों।

रागबागीश्वरीकान्हरो।

रसभरीताननकेकाननबितानताने आनेउर प्रेमसोंसुरनिकोसाजेरी । कौनभांतिधीरजधरोंरीबीरमनमाहिंकामउपराजे औअजकउपराजेरी। याहिकौनबरजिसकैरीमोहिंमोहिबेको कैसीमनमोहनकेमुखलागिगाजेरी। सुखकेसमाजेबिसरावैधामकाजैलाजै सुनिश्यामसुन्दरकीबंशीबनबाजेरी ५०॥

सखीकोबचनसखीसों।

नायिकाकोप्रतिउत्तर।

रागबरवै।

सुनिकैमधुरधुनिमुरलीकीमोहितह्वै चले अकुलायग्र

हंकाजनिबिसारिकै । जायबनमाहँमनमाहिंबाममोद भरी प्यारेमनमोहनकोबदननिहारिकै । चिंताभरिबोली बालकीबिरावरीमें कैसेरायोजानतहौतुमहीँबिचारि कै । कह्योकांन्हजावब्रजऐसेबारकाननमें आईकितरज नीमेंकुलकानिटारिकै ५१ ॥

अथशरद्ऋतुकाबिहारपंचममिलापबर्णन ॥

सखीकोबाक्यसखीसों।

फेरिअन्तर्द्धान।

रागहमीर।

सुनीदीनबोनीप्रेमसानीउरदयाआनी श्यामकोरमाव तहिनेकेनन्दलालहैं । बनउपबननिमेंयमुनाकेपुलिनमें राधामनमोहनजूचलैंगजचालहैं । चलोनाहिंजातमोपै जानोंजहांलैकैचलौं तियकेनवैनलगेपियकोरसालहैं । कह्योतबकान्हचढ़िचलोमेरेकन्धपर्‌यो कहिकैअदेखह्वैगयेजु हरिहालहैं ५२ ॥ सखीकोबचनसखीसों।

रागखंभायच।

बिरहबिकलभईलागीपछितानबाल ढूंढ़तफिरतबन बनप्राणप्यारेको । अतिअकुलातिभरीद्रुमनिलतानिपू छैकंहोअहोदेखेकहूंनन्दकेदुलारेको । शशिकोप्रकाशहू तोजहांलगिहेरेहारि फिरिफिरि देखेकरिअधिकअँध्यारे को । पुलिनमेंआयगुणगायमनमोहनके बोलीसुखदीजै आइलोचनहमारेको ५३ ॥

सखीकोबाक्यसखीसों।

रागसोरठ।

कुण्डलश्रवणधरैंपीतपटकटिधरें प्रकटबिहारीभयेब्र

रैंउरदामको । देखिमनमोहनकोपङ्कजबदनतब गयोदु
खबिरहकोभयोसुखबामको । रँग्योकुचकुंकुमकोडुपटाबि
छाइकरि आसनरुचिरदीनोंप्यारेअभिरामको । सहित
सनेहमिलिभामिनियोंभावतेको सोहतहैंदामिनिज्योंमि
लीघनश्यामको ५४ ॥

सखीकोबचनसखीसों।

रागअड़ानो।

फूलिरहेश्वेतश्वेतफूलयमुनाकेकूल कहांपारिजात
पावैतिनकीसुबासको । करतबिलासराससुन्दरयुगलत
हां छबिकरिछीनकरैशशिकेप्रकासको । रीधामनमोहन
पैबरषैंसुमनसुर हरषैंसकलधरैंहियमैंहुलासको । खलि
लबिहारकरिचारिघरीरातिरहै गईअनचाहैनवनागरि
नित्रासको ५५ ॥

अथ दानलीला समयबर्णन।

सखीकोबचन सखीसों।

रागभैरव।

प्रातसमयमनमोहनजू ब्रजओरचलेसँगकेजुरिधा
ये । मारगमांझमिलीबनिता दधिबेचनवारीलखैंलल
चाये । गोपनगोपिनमेंबहुतैंहित बातनकेझगरेसरसा
ये। सोरसजातनहींबरण्यो फिरिगोरसलैकरिगोकुलआ
ये ५६ ॥

सखीकोबचन सखीसों। छठामिलापवर्णन ॥

रागईमन।

घरकेसबहीबहुद्योसनिको जबन्होतेगयेमथुरानग
री । मनमोहनकोमिलिबैकिखुशी नवनागरिकैसरसाई

खरी । हरिआवनआयसखानेकह्यो तबहींतियसेजतयारकरी । सरसावलनेहकोआवतेही हँसिभावतेभामिनिअङ्कभरी ५७ ॥

सखीकोबचन सखीसों ।

रागपरज ।

प्यारीपियापौढ़ेपरयङ्कपरसोहतहैं मोहतपरसपररसबतियांनिकरि । आपसमेंबेप्रेमनमेहबर्षानचढ़ि तीक्षणकटाक्षनिसोंभौंहैंधनुतानिकरि । राधामनमोहनजूअंगनिकेसंगनिसों पुलकितह्वैरहेलिपटिभुजानिकरि । सुखकोनअंतलह्योरजनीहिमंतऋतु कियोगुणवंतकंतकामकीकलानिकरि ५८ ॥

सखीकोबचन सखीसों ।

रागधनाश्री ।

प्रातभयेअलसातजम्हात उठेअँगिरातछबीलेछकेसे । दोऊउनींदेसेनयननिसों छबिदेखिरहेरसरातिथकेसे । भानुप्रकाशबिलोकिप्रिया मनमोहनजू मनहोतसकेसे । प्रेमपगेकछुचाहैंकह्यो कहिजातकछूरहिजातजकेसे५९ ॥

नायिकाकोबचन सखीसों ।

रागटोड़ी ।

उठिपर्य्यङ्कसोंछबीलेमनमोहनजू भूमतझुकतचलेशोभाकेनिकरहैं । बिनगुणमालधरैंजावकलिलारबरैं पलकनिपीकधरैंअञ्जनिअधरहैं । जकतसेसकतसेचकितसेचलेजातज्ञान्दिखैंचवाईसबैब्रजनारीनरहैं । सुन्दरसुघरबरराधाध्यानततपरनटवरबंशीधरआयेनिजुंघरहैं ६० ॥

फेरिनायिकाकोबाक्य सखीसों।

रागसारंग।

बतियांनलगाइजगाइनिशा रसरीतिनसों अपनेबशकै। मनमोहनकेलिकलाकरिकै निजगेहमयेसँगमोमनलै। तबनयनसुहायकछूसजनी उनकेबिनदेखेनहींकलहै। यहलालसालागीरहीउरमें फिरिआयमिलैंगेकबैसुखदैं ६१॥

नायिकाकोबचन सखीसों।

रागरामकली।

आजअलीबहुयोसनिमें मनमोहनजूस्वपनेमें निहारे। बातें करीअनुरागभरी अरुकेलिकलानिकेपुंजउघारे। जातकह्योनलह्योमुखसों तनसों मनसों सबहींदुखटारे। जागिपरीअकुलानिभई जब देखेनहीं ढिगप्राणपियारे ६२॥

सखीकोबचननायिकासों।

रागसारंग।

सुनिबातसखीस्वपनेकिजबै हरिकेढिगकोअकुलायचली। मनमाहिंबिचारतआरतसी उरबालकेआयकरौंगोरली। मनमोहनकुञ्जमेंजायलखे जहँसोहैंकदम्बनकीअवली। नवनागरिभेदनिभेदनिको सबकीनेनिवेदन भांतिभली ६३॥

सखीकोबचननायिकासों।

रागसारंग।

बासरबितावतहै रयनीकीबातनिसों रहतउदास और बात नसुहातहै। पीरपरीजातरहै सदाअकुलातबा

के बिरहकी ब्यथाकछूकहीनहीं जातहै। चलियेमनमोहन निहारौं वाहिबेगिअब दरसपरसबिनहियहहरातहै। तलफतजातहै उसास अतिलेतजात कैसेसहीजातवापै शिशिर[illegible] ६४॥

[illegible]यिकाकोबचनसखीसों।

रागपूर्वी।

छाकिरह्योमनवा छबीलीकेअमलरूप मिलिकै हिये मांहिअतिसरसायहौं। कह्योमनमोहनजू नीरजमुखी कोंलखि लोचन अधीरनको धीरजधरायहौं। मदनकेखेदनकेभेदनिकहौलौंकहौं बिरहकीबेदनिसोंरह्यो अकुलायहौं। नीकेमनलाय समुझायकैसुनायसब जायकहिसजनीमें रजनीमें आयहौं ६५॥

सखीकोबचननायिकासों।

रागश्याम।

आयकहीतियसोंसजनी मनमोहनआवनआजकरैंगे। वेऊअधीरहैंदेखनको अतितोहिंलखैंउरधीरधरैंगे। बैनसुधा असनैननिसों हरितेरीबिथासब हेरिहरैंगे। मेटिदुखै सुखलेहैं समेटिकै भेंटिभुजाजबअंकभरैंगे ६६॥

सखीकोबचनसखीसों।

रागसोरठ।

डोरीलगीहरिआवनकी बनिबैठिबिलोकति मारग प्यारी। फैलिरहीसबमन्दिरमें अतिसुन्दरिकी मुखचन्द्र उजारी। आंखेंअजौंनकहांबिरमें यहशोचकरै बृषभान

दुलारी। बेनबजावतआयगये तबहींमनमोहन कुंज बिहारी ६७॥

नायिकाकोबचननायिकासों।

रागकान्हरो।

देखैंतिहारेअलेखेंगयो दुखसोंनहिंकैसेहु जातकह्यो है। सुन्दररूपअनूपमऊपरमोमनमोहनहोयरह्योहै। प्रेमपग्योईरहै निशिबासरनेहनिबाहकोनेमुगयोहै। आननपूरणचंदसों आनँदनैनचकोरचह्यो सुलह्योहै ६८॥

नायिकाकोबाक्यनायिकासों।

रागसोरठ।

भुजनिको चसकोपर्यो है भुजभेटिबेको करनकोंचसको है सरसपरसको। रसनाकोंचसकोपर्यो है गुणगुणिबेको सुनिबेकोचसकोंहै श्रवणनिसुयसको। सुमिरनकरिबेकोचसकोपर्योहै मनमोहनह्वैगयोहै रह्योनमेरेबसको। जबतेंपियारेइननैननिपियोहै पर्यो पीवनकोचसकोतिहारेरूपरसको ६९॥

अथ शिशिरऋतुकोबिहार सप्तमामिलापबर्णन॥

सखीकोबचनसखीसों।

रागईमन।

गुणके निधानदोऊ रूपकेनिधान दोऊ परमसुजान दोऊ मिलिबतरावहीं। प्रीतिरीतिदेखैंदोऊ रहैं अनमेखैं दोऊ मुदितअलेखैंदोऊरसबरषावहीं। राधामनमोहन अनंगकीतरंगनिसों शिशिरकीरजनीमेंसुखसरसावहीं। अंगनिपरसकरैं पुलकितगातधरैं प्रेममेंबिबशपरैं दोऊ लपटावहीं ७०॥

सखीकोवचनसखीसों।

रागरामकली।

मनमोहनहोत प्रभातउठे· अँगिरावतसे अरसावतेसे। चलतेगजचालचलोघरको तियकेचितकोतरसावतेसे। मगमें इकसुन्दरिआयमिली तेहिओरहितेसरसावतेसे। बृषभानकुमारिनिहारिइतैं दृगलालरिसैंसरसावतेसे ७१॥

सखीकोबचन नायकसों।

रागहमरि।

कान्हबामओर तुमचितयेसनेहभरे देखिलाडिलीकेचितरिससरसाईहै। तबहींतेजायकैंअकेलीबैठीमंदिरमें कहेंकिहीं वाकीभृकुटीनकीबँकाई है। चलौतौभलेहैं मनमोहनजूजौहनको मानिनीकीशोभाकैसी नीकीबनिआई है। बदनगुराईमें ललाईछबिछायरही औरलोनेलोचनललाईछबिछाईहै ७२॥

नायिकाकोवचनसखीसों।

रागसोरठ।

शोचिकह्यो मनमोहनजू हमतो अपराधकछूनाकियो है। कीनीहैनागरिनाहकही रिसिया बिधिकोकरिजानिजियोहै। आऊंअबैंहींकहौतौप्रिया मिलिबेकोमहाअकुलातहियोहै। जीभलगेरसआनकहां जिहिनीकेलैस्वादपियूषपियोहै ७३॥

सखीकोबचननायिकासों।

रागपरज।

मनमोहनलालकहीसुबही सजनीललनाढिगआय

कही । अतिश्यामसरोजह्लैबोलीतहीं हरिजायजहैं चि
तमाहिंचही । बहुनायककीपरतीतिकही अबमोसोंनहीं
रससरीतिरही । सुनिनीरसबैनानिमानिनिके फिरिश्यामस
मीपगईसनही ७४ ॥

सखीकोबचननायकसों।

रागखंभायची।

टेककरिरहीहैं अनेकभांतिसमुभाय आईबातएकहू
नवामकेमनैनहीं । भौंहनमरोरैरहैनासिकासकोरैरहैआ
पनेहियेकोभेदकाहूसोंभनैनहीं । रूखीह्लैरहीहैऐसीजोत
नकहाहैमानौं कबहूसनेहरीतिसपनेहुतीनहीं । आपही
पधारिमनमोहनमनायलीजै मोपैंतौमनावनकीयतुनबै
नैनहीं ७५ ॥

नायककोबचननायिकासों।

रागअड़ानो।

ठाढ़ेह्लैतुरतचलेसुनतसखीकेबैन श्यामकेसमीपजा
यबोलेमृदुबाणीहै । नैननिचितौनिनहींसुखमुसक्यानिन
हीं मौनह्लैरहीहैकौनिबानिनईठानीहै । तुमहींसोंहितरीति
आनसोंनआनप्रीतिबिना अपराधकाहेरिसि अधिकानी
है । बातैंघनीनीकीतऊमाननीमनावतटआयेघरहोय
मनमोहनजूमानी है ७६ ॥

नायिकाकोबचनसखीसों।

रागसोरठ।

इनिअंखियानिदुखियानिक्योंबिसारीबानि क्योंनाहिं
तवनिचितवनिमोहिलीनोरी । बसीनरहीहैयहरसनार
सिकराजरसबंतियानिकरिक्योंनबशकीनोरी । प्यासेमन

मोहनमनायोसोनमान्योमन रूसिचलेजबवैनराखजा
नदीनोरी । काकोदोषदीजैफलभागिनिकोमानिलीजै
मेरेसबअंगहैं अधिकगुणहीनोरी ७७ ॥

सखीकोबाक्य नायिकासों।

रागसारंग।

फागुनआयोसुहायोसबै रसकौतुकयाब्रजमेंसरसे
हैं। गोपिनकेगणमैंचलिहौतुमगोपनमेंमनमोहनऐहैं।के
सरिसोंरँगिहौउनकेंअँगलालरँगीलौतुम्हेंरँगिदैहैं । हो
रीकेंखेलमेंमेरेमिलापकोआपसेआपभलेबनिजैहैं ७८ ॥

सखीकोबचनसखीसों।

रागसोरठमलार।

फागमचीसगरेब्रजमें नभबादरलालगुलालकेछाये।
नागरिऔमनमोहननागरसामुहेहोतचितैमुसकाये । मा
नगयोछुटिमोदभयो मन दोऊसनेहभरेबतराये । मूठि
अबीरचलायेसुगंध लगावनकेमिससोंलपटाये ७९ ॥

अथ अष्टममिलापबर्णन।

सखीकोबाक्यसखीसों।

रागगोंडसारंग।

खेलिकैहोरीगयेयमुनातटसोहतबागतहांसुखकारी ।
धामजहांअभिरामबनेतिनओरतेडीठिटरैनहिंटारी । रंग
भरेअनुरागभरेछबिदंपतिकीमनमोहनवारी । बासररै
निबिहारकरैं नितकुंजनमेंबसिकुंजबिहारी ८० ॥

अथ बसन्तऋतुकोबिहारबर्णन॥

सखीकोबाक्य सखीसों।

या कबित्तकोबसन्तमेंभीगावतेहैंऔर सारंगमेंभीगावेहैं।

रागसारंग।

अरुणचरणदलउनहेतरुणलसैंललित लतानिशोभातैं सियसुहाईहै।कुसुमसुबासफैलिरहीहैदशोंदिशानशीतल समीरधीरचलैंसुखदाईहै। मातेमधुकरपुंजगुंजरतकुंज नमेंबनकीबसंतऋतुबनिकबनाईहै। प्यारीमनमोहनपि-यारोतहांबिहरत होतचितनितनितहितसरसाई है ८१॥

सखीकोवाक्यसखीसों।

रागललित।

एकसमयबैठेएकआसनपैदोऊलसैं हँसैंरसैंसरसैंवैं हितबतियानिसों। काजबशचलिबे बिदेशकोबिचार्यो आज कह्योमनमोहनजूअतिमृदुबानिसों। सुनतहीश्या-मापरीबड़ेशोचसागरमें उमँगी अधिकभरिआँखैंअँसुवा-निसों। चाहचितमाहिंधरैमिलिकैभुजानिगरै बेलिसील पटिरहीप्यारेसुखदानिसों ८२॥

सखीकोवचनसखीसों।

रागसारंग।

दीठिपरैंजबलौंमनमोहन तौलौंनिहारतहीरहीप्या री। मोहनीमूरतिमोहिनिकेमन छाईनकैसेहुंजायबिसा री। क्षीणपरीतियआननकीछबि होतप्रभातज्योंचन्द्रउ जारी। भारीब्यथानसँभारिपरी तिहिबारगिरीबृषभानु दुलारी ८३॥

सखीकोबचनसखीसों।

रागरामकली।

थोरेहीद्योसनिमेंकहिआवन श्यामचलेउरधीरजधा रैं। आगेकोपाँवधरैंठठुकैं मुरिफेरिपियारीकीओरनिहारैं।

कीनीबिहारनिकुंजनमें मनमोहनथेमनतेनबिसारैं । कैसे निवारैंवियोगव्यथानाहिंजातचल्योयहशोचविचारैं ८४॥

सखीकोबचनसखीसों ।

रागसारंग ।

नीरगुलाबघनोछिरक्यो घनसारघनोसजनीनिसुधायों । कीनीबयारिनिवारनतापहि चन्दनलैघिसिअंगलगायो । कीनेघनेउपचारतऊ वृषभानुकुमारीकोचेतनआयो । चेतउठीज़बहीं सबहीं मनमोहनमित्रकोचित्रदिखायो ८५॥ नायकाकोबचनसखीसे ।

रागवृन्दाबनीसारंग ।

तजिमोहिंबिदेशगयेसजनी अबयेदिनवेबिनकैसेभरैं । बहुकेलिकरीमनमोहनकेसँगतेमनतेनकहूंबिसरैं । दुखदेनमनोजलग्योनिरदैहिरदैनपरैकलकैसीकरैं । वह नीरजनयननिहारेबिना कहिबीरमैंधीरजकैसेधरैं ८६ ॥

नायिकाकीपातीनायकको ।

रागसारंग ।

सुमतिकेनिधानरतिपतिकेसमानतुम हितसोंहिये में दीनबीनतीकोधरियो । रैनदिनचैनहैन मैनदुखदेनलग्योरावरेदरशबिनसुधिनाहिंधरियो । तुमतौप्रवीणमहा तुमकोमैंलिखौंकहा हहातुमनेहकेनिबाहतेनटरियो । पातीलिखतुमकोपठाई मनमोहनजू पातीबांचिबांचिकरिमेरीसुधिकरियो ८७॥

नायककीपातीनायिकाको ।

रागईमन ।

सुरततेरीबसैउरमें अरुतोसुधिजायनहींबिसराई ।

मोमनमोहनहोयरह्योनितहोतरहैहितकीसरसाई। कागदमांझकहाँलौंलिखौंगुनजातलिखेनहिंतेरेनिकाई। तेरेवियोगतेतातीहुतीजबपातीपढ़ीतबछातीसिराई ८८॥

पातीकेआयेनायिकासखीसोंकहैहै।

रागसोरठ।

कहूंवाहिनयननिसोंफिरिहूंनिहारिहौंरी।कहूंरसनासोंवासोंफिरिबतरायहौं। श्रवणनिसोंसुनिहौंकहूंवेंबैनमीठेमीठेकरनिपरसशिचितचैन सरसायहौं। संगमनमोहनके फिरिहौंनिकुंजनिमेंकहूंसुखपुञ्जकरिरजनी बितायहौं। फिरिकहूंभावतेकोभेंटिहौंभुजानिभरि लोचनमिलायकहूंहियरेलगायहौं ८९॥

नायिकापथिकसोंसंदेशोकहतहै।

रागसोरठमलार।

पातीमेंकहांलौंलिखौं कहियोपथिकजाय भायोसोईकियोरहेकाहूकेकहैनहों। जानिकेअधीन तजीतलफतमीनलौं न आनीउरदयाभरेकपटमेंऐनहो। साँवरेमेंतरसतरावरेकेगोहनको कहाकहौंमेरेमनमोहनकोमैनहो। कैसेधरौंधीरनैननदेखेबिनचैनहैन प्यारेसुखदैनहाइलागेदुखदैनहो ९०॥

नायिकासखीसोंपतिकेआगमकोसगुनकहतहै।

रागखंभायच।

फरकनलगीहैबाँहआंखफरकनलगी प्यारेमनमोहनको मिलनजतावै हैं। आंगीदरकनलगीतनीतरकनलगी बोलिबोलिबायसहिसेकोहुलसावै हैं। चन्दनसमीरचीरदुखसरसावतेहे तेवेमेरेमनमाहिंसुखसरसावै हैं।

आजमोहिंहोतसबसगुनसुहावने हैं जानतहौंआलीबन
मालीआजआवै हैं ९१ ॥

पथिककोवचननायकसों।

रागईमन।

पथिकसंदेशोजायकह्योमनमोहनसों बहुरिकहनला
ग्योविरहकहानीसी । रावरोईध्यानधरैंगुननिकोगानक
रैंरावरेवियोगसोंरहतबिलखानीसी । वाकोचितलाग
तनकहूंगृहकाजनमें देहदुबराईसोनजातपहिंचानीसी ।
बारबारबांचिबांचिछातीसोंलगावति हैं पातीप्रेमसानी
जानीरावरीनिशानीसी ९२ ॥

नायककोवचनपथिकसोंपथिककोनायिकासों।

रागसोरठमलार।

श्यामाकोसंदेशोसुनिकह्यो मनमोहनजू आवति है
मोहिंसदासुध्रिवृन्दावनकी । बसतबिदेशमोहिंबीते हैं
बहुतदिन लालसालगीहैमनब्रजकोचलनकी । जायक
रिकहियोखबरिमेरेआवनकी सबैब्रजबासिनको आनँद
करनकी । धायकैंपथिकआयराधिकासमीपकही पाई
बख़शीशधनीभूषणबसनकी ९३ ॥

सखीकोवचनसखीसों।

रागअड़ानो।

आवनसुनतलागी मारगबिलोकनको नैननकोचाव
भयोमुखदरशनको । नागरिकेआननको चौगुनोभयोहै
चाव पीतमकेमीठेमीठेबैननिसुननको । करणकोचावभ
योसरसपरसकोहै रसनाकोचावभयो बतियांकरनको ।

अधरको चावरसपानकोभयोहैनयो चावभयोमनमन-
मोहनमिलनको ९४ ॥

सखीकोबाक्यसखीसों।

रागप्ररज।

सुन्दरबदनमनमोहनसदनआये भामिनिकोमिलि-
बेकोभयोचितचावहै। गोपीगीतगावैंदौरिदेखनकोआवैं
ब्रजबासिनके आनँदको भयोअधिकावहै। नागरिकेहि-
येमेंहुलाससरसायोअति तुरतकरनलागीरुचिरबनाव
है। चितमाहिंचाहकरैअतुलउगाहभरै मिलेरसरीतिदो-
ऊपायोजबदांवहै ९५ ॥

नायिकासखीसोंकहैहै।

रागखम्मायच।

बहुतदिनानमें बिदेशहोयआयमेरे प्यारेमनमोहन
बधाये सबगावोरी। नाचौरसराचौनीकीनीकीगतिलैलै
करि नीकीनीकीभांतिनसोंभावतिबतावोरी। तालकरता
लऔतँबूरामुहचंगनिसों घुंघुरूबजायकैमृदंगसोंमिला-
वोरी। नन्दकेकुमाररिझवारकोरिझाओआनि सकल
समाजकरिरंगसरसावोरी ९६ ॥

नायिकानायकसोंकहै।

रागखम्मायच।

पुलकितहोतप्रेमरसमेंछबीलेभाई बोलीमनमोहनी
छबीलेप्राणप्यारेसों। फलकोनिहारेसुखमुखनिकोहोत
जैसे सुखबरहीकोघनकारेघरवारेसों। कमलनिहारेसुख
अलिनकोहोतजैसे हंसनिकोहोतसुखमुकतासुढारेसों।

जैसेसुखहोतहैचकोरकोनिहारेचंद्र ऐसेमोहिंसुखभयो रावरेनिहारेसों ९७ ॥

नायिकासखीसोंकहैहै ।

रागमलार ।

मुखएकेरंगनिपैइंद्रकोधनुषवारों अमलकमलवारोंलोचनबिशालपर । कुण्डलप्रभापैकोटिप्रभाकरवारिडारों कोटिनमदनवारोंबदनरसालपर । तनकेतरुणपरनीरद सजलवारोंचपलाचमकमनमोहनकीमालपर । चालपै मरालवारौं मेरोमनवारौं और कहाकहावारिडारौं और नन्दलालपर ९८ ॥

सखिनकीआशिषनायकनायिकासों ।

रागमलार ।

दिनदिनदूनोदूनोदोउनमेंनेहहूजो आनँदसों ब्रजमें बिहारसदाकीजियो । रूपकेउजारेगुणभारेप्राणप्यारे दोऊ नयननहमारेक्षणक्षणचैनदीजियो । बंदनाकरत हैदोऊकरजोरिजोरि बिनतीहमारीकानदैकैसुनिलीजियो । नवलकिशोरीमनमोहनीकीजोरीयह प्रेममतवारी रसवारीसोंचिरंजियो ९९ ॥

भक्तउक्तबर्णन ।

रागगौरी ।

कीरतिकुमारीऔरनंदकोकुमारसदा करतरहतहैंबिहारबृंदाबनमें । राधामनमोहनकीरूपकीनिकाईसम कौनसुंदराईकहेंनाहेंत्रिभुवनमें । गोपिनकेगणमेंबिराजे दोऊऐसेजैसें सोहतहैरोहिणीरमनतारागनमें । यमुना

केतटबंशीबटकेरमनवाले नीलपीतपटवालेबसेमेरेमन, में १०० ॥

अथ कबिताकीग्रंथोत्पत्तिबर्णन।

रागसोरठ।

नरवरनाथछत्रसिंहसुतरामसिंह रुचिरबनायोग्रंथ जगकोनिवासहै। गावैजोगवावैसुनैंप्रेममेंमगनहोइ ताके उरराधामनमोहनकोबासहै। संबतसैअष्टादशबरष छतीसपुनिशुदितिथिपांचैगुरुवारमाघमासहै। रसिक हुलासकरिसुमतिप्रकाशकरि नवलप्रकटभयोयुगलबिलासहै १०१ ॥

इति श्रीमन्महाराजाधिराजश्रीरामसिंहजीदेवकृतं युगलविलासवर्णनंसम्पूर्णम् ॥

मुन्शी नवलकिशोर (सी, आई, ई,) के छापेखाने में छपी जून सन् १६०५ ई० ॥